सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – 110092

सत्र – 2024–2025

कक्षा :– तीन | **विषय – हिन्दी** | **पाठ – 5 (सुखिया का कृष्ण प्रेम)**

–: कठिन शब्द :–

1. ब्रजधाम
2. लीलाएँ
3. श्रीकृष्ण
4. निर्णय
5. आनंद
6. मालिन
7. धन्यवाद
8. आँखें
9. टोकरी
10. कोशिश

–: लघुत्तरीय प्रश्न :–

प्रश्न – 1 सुखिया मालिन कहाँ रहती थी?

उत्तर – सुखिया मालिन ब्रजधाम में रहती थी।

प्रश्न – 2 सुखिया को किस चीज में आनंद आता था?

उत्तर – बाल कृष्ण की लीलाएँ सुनने में सुखिया को बहुत आनंद आता था।

प्रश्न – 3 कृष्ण महल के अंदर बार–बार क्यों जाते थे?

उत्तर – फल की कीमत चुकाने के लिए श्रीकृष्ण बार–बार महल के अंदर जाते थे।

प्रश्न – 4 ब्रजधाम में गोपियाँ सुखिया को क्या सुनाती थी?

उत्तर – ब्रजधाम में गोपियाँ सुखिया को नंदलाला की लीलाएँ के बारे में सुनाती थी।

–: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :–

प्रश्न – 1 सुखिया मालिन अपना गुजारा कैसे करती थी?

उत्तर – सुखिया मालिन अपना गुजारा फल, फूल और सब्ज़ी बेचकर करती थी।

प्रश्न – 2 श्रीकृष्ण के दर्शन पाने के लिए सुखिया क्या किया करती थी?

उत्तर – सुखिया श्रीकृष्ण के दर्शन पाने के लिए घंटों तक नंद बाबा के महल के सामने खड़ी रहती थी लेकिन उसे कृष्ण के दर्शन कभी नहीं हो पाते थे।

प्रश्न – 3 सुखिया के फलों की कीमतें चुकाने के लिए कृष्ण ने क्या किया?

उत्तर – फल की कीमत चुकाने के लिए श्रीकृष्ण बार–बार महल के अंदर जाते और मुट्ठी में अनाज लाने की कोशिश करते, लेकिन सारा अनाज रास्ते में बिखर जाता था। वह सुखिया को दो–चार दाने ही दे पाए।

प्रश्न – 4 सुखिया ने घर जाकर कृष्ण–लीला किस रूप में देखी?

उत्तर – सुखिया ने घर जाकर जब टोकरी अपने सिर से उतारी तब उसकी आँखें फटी की फटी रह गई। उसने अपनी टोकरी हीरे–जवाहरातों से भरी हुई देखी। सुखिया को तब समझ में आ गया कि यह सब श्री कृष्ण की लीला है।

–: वाक्य प्रयोग :–

क. आनंद – खुशी

वाक्य – मुझे अपनी माँ की मदद करके बहुत आनंद मिला।

ख. निर्णय – फैसला

वाक्य – हमें हर निर्णय सोच–विचारकर करना चाहिए।

ग. लीला – खेल

वाक्य – लोगों को श्रीकृष्ण की लीला सुनकर बहुत आनंद आता है।

घ. दर्शन – देखना

वाक्य – हमें सदैव सुबह भगवान के दर्शन करने चाहिए।